# INTERNATIONAL COLLEGE FOR GIRLS

**AUTONOMOUS**

**SFS, GURUKUL MARG, MANSAROVAR, JAIPUR**

# DEPARTMENT OF HINDI

---

## B.A. HINDI PASS COURSE (Elective)

**I Semester Examination November 2009**
**II Semester Examination April 2010**
**III Semester Examination November 2010**
**IV Semester Examination April 2011**
**V Semester Examination November 2011**
**VI Semester Examination April 2012**

# हिन्दी साहित्य
## सेमेस्टर I

## पेपर **I** – हिन्दी कहानी

**Code – HIN 101**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है हिन्दी साहित्य की गद्य विधा कहानी के स्वरूप एवं परिभाषा को जानना, मुख्य कहानीकारों का परिचय एवं कहानी के विभिन्न पक्षों को उजागर करना।

**इकाई I** **कहानीः स्वरूप, परिभाषा एवं इतिहास** **9 घण्टे**
कहानी का रचना विधान
इतिहासः पृष्ठभूमि, आविर्भाव, विकास युग
संक्रांति युग की हिन्दी कहानी
स्वातंत्र्योत्तर कहानी की राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिस्थितियाँ

**इकाई II** **हिन्दी के कुछ कहानीकारों का संक्षिप्त परिचय** **9 घण्टे**
प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय, मोहन राकेश, अमरकांत, नासिरा शर्मा, स्वयं प्रकाश, चित्रामुद्गल।

**इकाई III** **कहानी (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**
पूस की रात – प्रेमचंद
मधुआ – जयशंकर प्रसाद
खेल – जैनेन्द्र कुमार

**इकाई IV** **कहानी (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**
खितीन बाबू – अज्ञेय
मलबे का मालिक – मोहन राकेश
दोपहर का भोजन – अमरकांत

**इकाई V** **कहानी (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**
1. सरहद के इस पार – नासिरा शर्मा
2. नील कांत का सफर – स्वयं प्रकाश
3. जिनावर – चित्रामुद्गल

**पाठ्य पुस्तकः**

1. कहानी विविधा – सं0 डॉ. हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

**सहायक पुस्तकेंः**

1. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँः डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, प्रकाशक, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. कहानीः नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
3. हिन्दी कहानीः उद्भव और विकास – डॉ. हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

# हिन्दी साहित्य
## सेमेस्टर I

## पेपर II – हिन्दी उपन्यास

**Code – HIN 102**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है हिन्दी साहित्य की गद्य विधा उपन्यास के उद्भव एवं उसकी देशकाल के अनुसार बदलती हुई प्रवृत्तियों के बारें में जानने के साथ–साथ कुछ प्रमुख उपन्यास के शिल्प के बारें में ज्ञान प्राप्त करना।

**इकाई I** **हिन्दी उपन्यासः उद्भव एवं प्रवृत्तिमूलक इतिहास** **10 घण्टे**

1. हिन्दी उपन्यास का आरंभिक काल
2. प्रेमचंद पूर्व सामाजिक उपन्यास
3. प्रेमचंद युगीन उपन्यास
4. प्रेमचंदोत्तर उपन्यास
5. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासः विभिन्न प्रवृत्तियाँ

**इकाई II** **हिन्दी उपन्यास के विविध रूप** **8 घण्टे**

ऐतिहासिक, आंचलिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक

**इकाई III** **जीवन परिचय एवं औपन्यासिक वैशिष्ट्य** **7 घण्टे**

प्रेमचंद
मन्नू भण्डारी

**इकाई IV** **उपन्यास (आलोचनात्मक एवं व्याख्यात्मक अध्ययन)** **10 घण्टे**

निर्मला – प्रेमचन्द

**इकाई V** **उपन्यास (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **10 घण्टे**

आपका बंटी – मन्नू भण्डारी

**पाठ्य पुस्तकः**

निर्मला – प्रेमचंद– कॉलेज बुक डिपो, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर
आपका बंटी – मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 7/31, अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली।

**सहायक पुस्तकें:**

1. हिन्दी उपन्यासः उद्भव और विकास– डॉ. हेतु भारद्वाज, डॉ. सुमनलता, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. हिन्दी उपन्यासः एक अन्तर्यात्रा– डॉ. राम दरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

# हिन्दी साहित्य

## सेमेस्टर II

## पेपर I – काव्यांग परिचय

**Code – HIN 201**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** किसी भी काव्य को पढ़ने से पहले उसके सभी अंगों की जानकारी आवश्यक होती है। इस पाठ्यक्रम का यही उद्देश्य है कि काव्य को पढ़ने से पहले उसका सही रसास्वादन करने के लिए काव्यांग परिचय प्राप्त करना।

**इकाई I** **रस** **11 घण्टे**

रसः अर्थ व स्वरूप
रस के अवयवः स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव
रस के भेदः श्रृंगार, हास्य, करूण, वीर, रौद्र, भयानक, वीभत्स, अद्भुत, शांत

**इकाई II** **छंद** **9 घण्टे**

1. छंदः परिभाषा, छन्द के उपकरण गण विधान
2. छंद के भेदः (क) वर्णिक छन्द–उपेन्द्रवज्रा, इन्द्रवज्रा, मालिनी
   (ख) मात्रिक छन्द–चौपाई, रोला, दोहा, बरवै, सोरठा, छप्पय, कुण्डलियाँ

**इकाई III** **अलंकार** **7 घण्टे**

अलंकारः परिभाषा व भेद
शब्दालंकारः अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
अर्थालंकारः उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, अतिश्योक्ति, संदेह, विरोधाभास, विभावना

**इकाई IV** **शब्द शक्ति एवं काव्यगुण** **8 घण्टे**

शब्द शक्तिः अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
काव्य गुणः ओज गुण, प्रसाद गुण, माधुर्य गुण

**इकाई V** **काव्य दोष** **8 घण्टे**

परिभाषा
भेद– श्रुतिकटुत्व, ग्राम्यत्व, अश्लीलत्व, क्लिष्टत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व, पुनरूक्त, अप्रतीत्व, संदिग्ध।

**सहायक पुस्तकें:**

रस छंदालंकार–डॉ. रमाशंकर शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, 15, ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद।
रस, अलंकार, छंद तथा अन्य काव्यांग–डॉ. वेंकट शर्मा, कॉलेज बुक डिपो, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।
काव्यांग परिचय–डॉ. गोरधन सिंह शेखावत, दी स्टूडेण्ट्स बुक कं. जयपुर।
काव्यांग प्रकाश–डॉ. विजयपाल सिंह, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

# हिन्दी साहित्य

**सेमेस्टर II**

## पेपर II – भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल)

**Code – HIN 202**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है भक्ति काल के पूर्वभाग में बदलती हुई परिस्थितियों और प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करना और उस समय के मुख्य कवियों के साहित्य का ज्ञान प्राप्त करना।

**इकाई I** **भक्ति काल का प्रवृत्ति मूलक इतिहास** **9 घण्टे**

1. भक्तिकाल की सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक परिस्थितियाँ
2. निर्गुणमत के संतों की काव्यगत प्रवृत्तियां
3. सूफी प्रेम काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
4. सगुणमत के सिद्धांत एवं काव्य परंपरा
5. रामभक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
6. कृष्ण भक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

**इकाई II** **कबीर (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

कवि परिचय
साखी – 48 दोहे
महात्मा कबीर का सुधारवादी दृष्टिकोण

**इकाई III** **जायसी (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

कवि परिचय
पद्मावत – नागमती संदेश खण्ड
जायसी की प्रेम पद्धति और रहस्यवाद

**इकाई IV** **तुलसी (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

कवि परिचय
कवितावली से–
1) बाल रूप की झांकी–3 पद,
2) बाल लीला–4 पद,
3) धनुर्यज्ञ से–10 पद
लोकनायक तुलसी की समन्वय साधना (कुल 17 पद)
तुलसी के काव्य में लोक चेतना

**इकाई V** **सूरदास (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

कवि परिचय
सूरसागर से बाल वर्णन के 11 पद
सूर का काव्य वैशिष्ट्य
सूर की भक्ति पद्धति

**पाठ्य पुस्तकः**

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–डॉ. हरिश्चन्द्र, राजस्थान प्रकाशन जयपुर

**सहायक पुस्तकें:**

1. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. त्रिवेणी–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

# हिन्दी साहित्य

**सेमेस्टर III**

## पेपर I – हिन्दी एकांकी

**Code – HIN 301**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है छात्राओं को रंगमंच की जानकारी देना एवं एकांकी के प्रति रूचि पैदा करना। इसके साथ ही देश में प्रचलित लोक परंपराओं के विविध रूप का ज्ञान प्राप्त करना।

**इकाई I** **भारतीय रंगमंच** **9 घण्टे**

रंगमंच का अर्थ एवं स्वरूप
रंग प्रयोगः विविध आयाम– निर्देशक, अभिनेता, रंग स्थली, दृश्य योजना, रंग दृश्य योजना, रंग दीपन (प्रकाश व्यवस्था) रूप सज्जा, दर्शक

भारतीय रंगमंचः विविध प्रयोग– 1) अभिनयः आंगिक अभिनय, वाचिक अभिनय, आहार्य अभिनय, सात्विक अभिनय 2) लोक परंपराएँः विविध रूपः रामलीला, रासलीला, नौटंकी, कठपुतली, मांच, भवाई, जात्रा, कीर्तनिया, तमाशा, ख्याल

**इकाई II** **एकांकी का स्वरूप** **9 घण्टे**

1. एकांकी का स्वरूप, परिभाषा
2. एकांकी के भेद
3. एकांकी की रंगमंचीयता
4. एकांकी का उद्भव और विकास

**इकाई III** **हिन्दी एकांकी का प्रवृतिमूलक इतिहास** **9 घण्टे**

1. भारतेंदु युग में एकांकी का उद्भव (प्रथम उत्थान काल)
2. द्विवेदी युग में एकांकी का विकास (द्वितीय उत्थान काल)
3. हिन्दी एकांकी का उत्कर्ष काल (तृतीय उत्थान काल)
4. हिन्दी एकांकी में नवचेतना का जागरण (चतुर्थ उत्थान काल)

**इकाई IV** **एकांकी (आलोचनात्मक एवं व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. स्ट्राइक – भुवनेश्वर
2. चंद्रलोक – रामकुमार वर्मा
3. लक्ष्मी का स्वागत – उपेन्द्र नाथ अश्क

**इकाई V** **एकांकी (आलोचनात्मक एवं व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. रीढ़ की हड्डी – जगदीशचन्द्र माथुर
2. मशीन – सफदर हाशमी
3. हरीघास पर घंटेभर – सुरेन्द्र वर्मा

**पाठ्य पुस्तकें:**

1. एकांकी सप्तकः भारत रत्न भार्गव, दी स्टूडेण्ट्स बुक कं. चौड़ा रास्ता, जयपुर
2. हिन्दी रंगमंचः विविध आयामः डॉ. रेखा गुप्ता, बोहरा प्रकाशन, जयपुर

**सहायक पुस्तकें:**

एकांकी और एकांकीकार – राम चरण महेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिन्दी एकांकी उद्भव और विकास – राम चरण महेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ–डॉ. जयकिशन प्रसाद, खण्डेलवाल, प्रकाशक–विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

# हिन्दी साहित्य

**सेमेस्टर III**

## पेपर II – रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

**Code – HIN 302**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्य:** हिन्दी साहित्य के इतिहास में रीतिकाल अर्थात् उत्तर मध्यकाल के अन्तर्गत आने वाले कवियों की रचना की जानकारी, उस समय की प्रमुख प्रवृत्तियों और परिस्थितियों आदि के विषय में अध्ययन करना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

**इकाई I** **रीतिकाल की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ** **9 घण्टे**

1. रीतिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियाँ
2. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
3. रीतिबद्ध साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
4. रीतिसिद्ध साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
5. रीतिमुक्त साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

**इकाई II** **बिहारी (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. कवि परिचय
2. बिहारी रत्नाकार से 20 दोहे
3. बिहारी का काव्य सौष्ठव
4. सतसई परंपरा में बिहारी

**इकाई III** **रहीम (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. कवि परिचय
2. रहीम दोहावली से 30 दोहे
3. रहीम का काव्य सौष्ठव

**इकाई IV** **केशव (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. कवि परिचय
2. संक्षिप्त राम चंद्रिका से – रावण अंगद संवाद
3. रामचंद्रिका में संवाद कौशल

**इकाई V** **जगन्नाथ दास रत्नाकर (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. कवि परिचय
2. उद्धवशतक से प्रारंभिक 12 छंद
3. उद्धवशतक में विरहानुभूति

**पाठ्य पुस्तकें:**

1. संक्षिप्त राम चंद्रिका सं0. डॉ. महेन्द्र कुमार एवं डॉ. चन्द्रहंस पाठक, प्रकाशक– आर्य बुक डिपो, करौल बाग, नई दिल्ली।
2. उद्धवशतक'–सं0. डॉ. हेतु भारद्वाज, श्याम प्रकाशन, फिल्म कॉलोनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
3. रीतिकविता– डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।

**सहायक पुस्तकें:**

1. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग 1)–आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,।
2. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, प्रकाशक विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

# हिन्दी साहित्य
**सेमेस्टर IV**

## पेपर I – हिन्दी नाटक

**Code – HIN 401**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, भरत मुनि के नाट्य शास्त्र से लेकर आज तक के सभी युगों के नाटकों का परिचय प्राप्त करना एवं विभिन्न नाटककारों के नाट्य शिल्प से परिचित होना और भीष्म साहनी एवं प्रसाद के नाटकों का अध्ययन करना।

**इकाई I** **नाटक का स्वरूप** **9 घण्टे**
1. नाटक का स्वरूप, परिभाषा
2. नाटक के भेद
3. नाटक और रंगमंच

**इकाई II** **हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास** **9 घण्टे**
1. नाटक की उत्पत्ति
2. भारतेंदु यूग में हिन्दी नाटक
3. प्रसाद युग में पौर्वात्य एवं पाश्चात्य शैली का सुंदर समन्वय
4. प्रसादोत्तर काल

**इकाई III** **हिन्दी के प्रमुख नाटककार और उनका साहित्यिक योगदान** **7 घण्टे**
1. लक्ष्मी नारायण लाल
2. मोहन राकेश

**इकाई IV** **नाटक (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **10 घण्टे**
1. जयशंकर प्रसाद और उनका संक्षिप्त परिचय
2- ध्रुवस्वामिनी का नाट्यशिल्प
3- नाटक का उददेश्य

**इकाई V** **नाटक (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **10 घण्टे**
1. भीष्म साहनी का संक्षिप्त परिचय
2. ''कबिरा खडा बाजार मे''का नाट्य शिल्प
3. नाटक का उददेश्य

**पाठ्य पुस्तकें:**
1. ध्रुवस्वामिनी– लेखक जयशंकर प्रसाद, कॉलेज बुक डिपो, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर
2. कबिरा खड़ा बाजार में– भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

**सहायक पुस्तकें:**
1. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, प्रकाशक विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास – डॉ. हेतु भारद्वाज, डॉ. सुमनलता, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

# हिन्दी साहित्य

**सेमेस्टर IV**

## पेपर II – आधुनिक काव्य (भारतेंदु युग से छायावाद तक)

**Code – HIN 402**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भक्तिकाल एवं रीतिकाल के बाद काव्य के बदलते स्वरूप अर्थात आधुनिक काव्य (भारतेंदु से लेकर छायावाद तक) की सभी कविताओं की प्रवृत्तियों के साथ–साथ कविताओं का अध्ययन करके उनमें आने वाले बदलाव का परिचय भी प्राप्त करना है।

**इकाई I** **आधुनिक हिन्दी कविता का विकास** **9 घण्टे**

1. सामाजिक परिस्थितियाँ
2. आर्थिक परिस्थितियाँ
3. राजनीतिक परिस्थितियाँ
4. साहित्यिक परिस्थितियाँ

**इकाई II** **आधुनिक कवि एवं कविताएँ, (संक्षिप्त परिचय, व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र – हिन्दी भाषा
2. मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा

**इकाई III** **आधुनिक कवि एवं कविताएँ, (संक्षिप्त परिचय, व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. जयशंकर प्रसाद
   1) ले चल वहाँ भुलावा देकर
   2) अरूण यह मधुमय देश हमारा
2. सुमित्रानंदन पंत –
   1) प्रथम रश्मि
   2) मौन निमंत्रण

**इकाई IV** **आधुनिक कवि एवं कविताएँ, (संक्षिप्त परिचय, व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला –
   1) भिक्षुक
   2) विधवा
2. महादेवी वर्मा –
   1) मधुर था वह मेरा जीवन
   2) क्या जलने की रीति शलभ

**इकाई V** **आधुनिक कवि एवं कविताएँ, (संक्षिप्त परिचय, व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. रामधारी सिंह 'दिनकर' – बालिका से वधू
2. हरिवंशराय 'बच्चन'
   1) पथ की पहचान
   2) अंधेरी रात में

**पाठ्य पुस्तक:**

आधुनिक काव्य संग्रह– सं0. रामवीर सिंह, प्रस्तुतकर्ता– केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

**सहायक पुस्तकें:**

हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, प्रकाशक विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

# हिन्दी साहित्य
## सेमेस्टर V

## पेपर I – हिन्दी निबंध एवं भाषा

**Code – HIN 501**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी साहित्य की गद्य विधा निबंध में भारतेंदु से लेकर स्वतंत्रता के पश्चात आने वाले परिवर्तनों की जानकारी एवं राष्ट्र भाषा के मानकीकरण के साथ कम्प्यूटर और हिन्दी का संबंध जानना है।

**इकाई I** **हिन्दी निबंध साहित्य का उद्भव एवं विकास** **10 घण्टे**

1. हिन्दी निबंध का उद्भव
2. भारतेन्दु युगीन निबंध एवं उनकी विशेषताएँ
3. द्विवेदी युगीन निबंध एवं उनकी विशेषताएँ
4. शुक्ल युगीन निबंध एवं उनकी विशेषताएँ
5. निबंध साहित्य का स्वातंत्र्योत्तर युग

**इकाई II** **निबंध (आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. अद्भुत अपूर्व स्वप्न – भारतेंदु हरिश्चन्द्र
2. उत्साह – रामचन्द्र शुक्ल

**इकाई III** **निबंध (आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. मेरी साहित्यिक मान्यताएँ – नगेन्द्र
2. शिरीष के फूल – हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई IV** **निबंध (आलोचनात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**

1. लेखक की स्वतंत्रताः आज के संदर्भ में – निर्मल वर्मा
3. साहित्य की मुक्ति या कछुआ धर्म? – डॉ. नामवर सिंह

**इकाई V** **राष्ट्रभाषा हिन्दी का मानकीकरण** **9 घण्टे**

1. कम्प्यूटर के माध्यम से हिन्दी का प्रयोग
2. मानकीकरण
3. मानक हिन्दी की शब्दावली

**पाठ्य पुस्तकें:**

1. निबंध संचयन– डॉ. हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

**सहायक पुस्तकें:**

1. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, प्रकाशक विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. हिन्दी भाषा–उद्भव और विकासः डॉ. हेतु भारद्वाज, डॉ. रमेश रावत, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
3. हिन्दी भाषाः भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन

# हिन्दी साहित्य
## सेमेस्टर V

## पेपर II – आधुनिक काव्य (प्रगतिवाद से समकालीन कविता तक)

**Code – HIN 502**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक काव्य के अंतर्गत प्रगतिवादी, प्रयोगवादी व नई कविता के कवि व उनके साहित्य से परिचित कराना है।

**इकाई I** **आधुनिक कविता का प्रवृतिमूलक इतिहास** **9 घण्टे**
प्रगतिवादी हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
प्रयोगवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

**इकाई II** **प्रयोगवादी कविताएँ (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**
1. अज्ञेय – बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की
2. गिरिजा कुमार माथुर – क्वॉर की दोपहरी, धूप का ऊन

**इकाई III** **प्रयोगवादी कविताएँ (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**
1. शमशेर बहादुर सिंह – घिर गया है समय का रथ, बात बोलेगी
2. मुक्ति बोध – खोल आँखें, मृत्यु और कवि

**इकाई IV** **प्रगतिवादी कविताएँ (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**
1. भवानी प्रसाद मिश्र – अज्ञात पंछी
2. शिवमंगल सिंह सुमन – पथ भूल न जाना पथिक कहीं

**इकाई V** **नई कविता (व्याख्यात्मक अध्ययन)** **9 घण्टे**
1. नार्गाजुन – कालिदास, तुम किशोर तुम तरूण
2. धर्मवीर भारती – टूटा पहिया, गांधारी का शाप

**पाठ्य पुस्तकें:**

आधुनिक काव्य संग्रह – संपादक रामवीर सिंह, प्रस्तुतकर्ता केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

**सहायक पुस्तकें:**

हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, प्रकाशक विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

# हिन्दी साहित्य
## सेमेस्टर VI

## पेपर I – भाषा विज्ञान

**Code – HIN 601**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा के विकास के साथ–साथ उपभाषाएँ, बोलियाँ, वाक्य, अर्थविज्ञान व लिपि विषयक ज्ञान प्राप्त करना है।

**इकाई I** **हिन्दी भाषा तथा हिन्दी का विकास** **9 घण्टे**

1. हिन्दी भाषा
2. हिन्दी शब्द का प्राचीन अर्थ
3. हिन्दी का विकास

**इकाई II** **हिन्दी की उपभाषाएँ तथा बोलियाँ** **7 घण्टे**

1. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार
2. उपभाषाएँ एवं बोलियां– राजस्थानी, खड़ी बोली, ब्रजभाषा, अवधी, बिहारी, पहाड़ी एवं इनकी बोलियाँ

**इकाई III** **हिन्दी में वाक्य रचना** **9 घण्टे**

1. वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप
2. वाक्य भेद–रचना के आधार पर
3. वाक्य भेद– अर्थ के आधार पर

**इकाई IV** **हिन्दी का अर्थ विज्ञान** **10 घण्टे**

1. शब्द और अर्थ का संबंध
2. अर्थ विकास की दिशाएँ
3. अर्थ परिवर्तन के कारण

**इकाई V** **लिपि** **10 घण्टे**

1. लिपि का उद्भव और विकास
2. देवनागरी लिपि का नामकरण और विकास
3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

**सहायक पुस्तकें:**


1. हिन्दी भाषाः उद्भव और विकास– डॉ. हेतु भारद्वाज, डॉ. रमेश रावत, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. हिन्दी भाषाः डॉ. भोला नाथ तिवारी, किताबमहल, 15, थार्नहिल रोड़, इलाहाबाद।

# हिन्दी साहित्य
## सेमेस्टर VI

## पेपर II – प्रयोजन मूलक हिन्दी

**Code – HIN 602**
**Contact Hour per semester – 45** **Credits Assigned – 3**
**Contact Hour per week – 3** **Max. Marks: 100 (30 CA + 70 SEE)**

**उद्देश्यः** स्नातक स्तर के संपूर्ण पाठ्यक्रम को पढ़ाने के बाद अंतिम सत्र में इस पाठ्यक्रम को पढ़ाने का यही उद्देश्य है कि स्नातक होने के बाद यदि छात्राएँ किसी भी सरकारी कार्यालय, बैंक, बीमा कम्पनी या पत्रकारिता के क्षेत्र में जाना चाहती है तो वे वहाँ सफलता पूर्वक कार्य कर सकें।

**इकाई I** **प्रयोजनमूलक हिन्दी का उद्गम स्त्रोत, हिन्दी भाषा का स्वरूप** **9 घण्टे**

1. हिन्दी : शब्द प्रयोग
2. आधुनिक हिन्दी का विकासक्रम, मानक हिन्दी वर्तनी

**इकाई II** **प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति के माध्यम** **9 घण्टे**

खड़ीबोली, हिन्दुस्तानी, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, राज्यभाषा

**इकाई III** **राजभाषा हिन्दीः संवैधानिक प्रावधान** **9 घण्टे**

1. राजभाषा संबंधी संविधान के प्रावधान
2. राजभाषा अधिनियम 1963
3. राजभाषा अधिनियम 1976
4. राजभाषा संकल्प 1968

**इकाई IV** **कार्यालयी टिप्पण और मसौदा (प्रारूपण) लेखन** **9 घण्टे**

1. टिप्पण, टिप्पण के प्रकार
2. मसौदा, (प्रारूपण), तैयार करना, मसौदा लेखन की सामान्य बातें, विशेषताएँ, रूप रेखा

**इकाई V** **हिन्दी पत्राचार तथा सरकारी पत्र के प्रकार** **9 घण्टे**

1. प्रभावशाली पत्र की विशेषताएँ
2. सरकारी पत्राचार – सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, पृष्ठांकन, अनुस्मारक, प्रतिवेदन

**सहायक पुस्तकेंः**

प्रयोजन मूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयोग–दंगलझाल्टे।
पत्र व्यवहार निर्देशिका–संपादक–भोलानाथ तिवारी, लेखक विजय कुलश्रेष्ठ, 21–ए, दरियागंज, नई दिल्ली।
प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन–संपादक–भोलानाथ तिवारी, लेखक विजय कुलश्रेष्ठ, 21–ए, दरियागंज, नई दल्ली।

***